

15000/-

प्रधानमंत्री रुपया दस हजार

15000/-

INDIA RUPEE FIVE THOUSAND

हजार रुपये

RUPEES  
FIVE THOUSAND

भारत गणराज्य

REPUBLIC

62

0388 763684



राष्ट्रीय सेवा

### गिरफ्त रिलेस

प्रतिशत वार्षिक राशि - ₹ २,७५,६५२/-

वाराह मूल्य - ₹ २,७१,२५०/-

आय किये गये जानकारी - ₹ २८,८००/-

- |    |                    |   |                              |
|----|--------------------|---|------------------------------|
| 1. | भूमि एवं प्रशासन   | - | झुपि                         |
| 2. | परगना              | - | लकड़ाक                       |
| 3. | गाम                | - | लकड़ाक                       |
| 4. | प्राप्ति एवं विवरण | - | पूर्ण खाताय संख्या ६०४ लकड़ा |

(३१२-२४)

For Rs. Five Thousand Rupees Only

A. M. Patel (Signature)

₹.5000

Rs.5000

पाँच हजार रुपये

FIVE THOUSAND RUPEES

NON JUDICIAL  
STATIONERY

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



0.124 ब्लैकर रिखल ब्रान  
अलमामठ, परगना, तहसील व  
किला गांधानगढ़।

- |     |                      |   |
|-----|----------------------|---|
| 5.  | पापन की इच्छा -      | ब्लैकर  |
| 6.  | सम्पादित वह धोजना -  | 0.129 ब्लैकर  |
| 7.  | तड़क की स्थिति -     | दुलालपुर रोड व अमरजहांद एवं<br>वे तरापां 200 मीटर से अधिक |
| 8.  | सम्पादित का प्रकार - | कृषि  |
| 9.  | पेटों की स्थिति -    | कोई पेट नहीं है।  |
| 10. | शोरिंग/ चुमां जन्म - | कुछ भी नहीं है।   |

प्रिवेट

NON JUDICIAL STATIONERY

Non Judicial Stationery

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

₹.5000

Rs.5000

पाँच हजार रुपये

FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



दीक्षितीय संस्करण नं० 804

उमर : लखरा नं० 807  
दृष्टिष्ठान : लखरा नं०-809,817  
पूर्ववर्ती : लखरा नं०-805  
गाँविलाग : लखरा नं०-809,810,815

प्रथम पक्ष की संलग्नता - I : द्वितीय पक्ष की संलग्नता - I

दिल्ली का विवरण	फेता या विवरण
शिवपूर्ण तुल अधिकारी प्रसाद विवाही ग्राम अहमार्पक, परवना, उहकीत व विहा	फेयरडोर रियल इस्टेट्स प्रा० लि० रमिस्टर्ड आफिरा 1101, दालहाटीय घास, दालहाटीय यार्ग, नई दिल्ली नहानाल पक्ष हूतीव चल

(१२१५५५१०)

Pan Pat. G-20000, Panjgur, Panjab, India - 148101



भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये

₹.1000

ONE THOUSAND RUPEES

Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

C 115393

140 200

4.

लक्षणक ।	वाईटमासीगंगा बिल्डिंग, 13, राजा महाप मार्ग, लखनऊ ज़ारी अधिकृत इस्ताक्षरी श्री अन्वित प्रसाद द्विवेदी पुत्र श्री वेनी इसाद द्विवेदी वर्तमान व स्थानी पता तृतीय तला वाईटमासी सीप एंड बिल्डिंग, 13, राजा महाप मार्ग, लखनऊ
वाचस्पति- कृषि	व्यवसाय- नीचानी

इस विकल्प शिवपूर्ण पुन अधिकृत प्रसाद निराशी ब्राह्म  
बाटमासीक, परगना, लखनऊ व गिरा लखनऊ जिल्हे जारी दिक्षित करा

१२।८।२०१०

Non-judicial Seal No. 115393 Date 12.8.2010

Digitized by srujanika@gmail.com

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये  
₹.1000

ONE THOUSAND RUPEES  
Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

G 115394

- 5 -

यहां हि प्रायः केवलोब रिक्त इन्टेंस प्राप्त लिए रजिस्टर्ड आफिस  
1101, टास्टार्टीव ब्रॉड, दाल्सटीव मार्ग, चौथी विल्ली वर्तमान पत्ता  
गृहीय तस वाहण्मपसी०५० विल्ली, 13, राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ  
द्वारा रजिस्टर हस्ताक्षरी श्री जमिक्का प्रसाद घिरेली पुत्र श्री वेणी प्रह्लाद  
घिरेली वर्तमान व स्वाधी परा गृहीय तस वाहण्मपसी०५० ली० ८०  
विल्ली, 13, राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ जिनसे उपरोक्ता करा गया है  
के पछान निष्पादित किया गया।

१२१ अप्रैल २०१०  
For Date Given by Non-Judicial Party  
Non-Judicial Signature

५०० रु.

Rs 500

५०० रुपये FIVE HUNDRED RUPEES



- ६ -

यह दि विक्रेता चूनि असरा संख्या ८०८ रकमा ०.१२४ लेक्टर-भर  
निवास ग्राम उद्धमामऊ, परनना लक्ष्मनकु, लक्ष्मीनगल व जिला लक्ष्मनकु वा  
मालिश, कामिहा व छाकिंग है तथा उपरोक्त सत्यांकित घटवार्डीक छाता  
स्थानीय रुपा संख्या ०००१७ के अनुसार आदेश न्यायालय दिल्ली  
कलोकन्दर रामल्ल लक्ष्मनकु वाद तो २१/४७/०५-०६ शिवपूजन वगान  
रामल्लम जादि अन्तर्गत वारा २२९ चौक्कांडिंग एवं भू० व्यवस्था  
अंडिंग ग्राम अहमानकु की चूनि सं० ८०८/०-९-१५ वर इन लातेवार  
रामल्लम, रामानन्द, शिवपूजन युवा शंकर प्रसाद व श्रिकृष्ण नगरन गुरु

१९४७-८०८

For Pmt. Govt. of India Bank Note Rs. 500/-

१९४७-८०८

# भारतीय गैर न्यायिक

एक रुपये

Re. 100

भारतीय  
INDIA NON JUDICIAL

बलाद्र प्रदेश UTTAR PRADESH

गांधीजी प्रसाद का नाम लिखा दिया जाता है और शिवपुरी युवा अभियन्ता प्रताद को शुभि गाठ सं 308/10-9 15 पर म०म०० रुपये है। शुभि विक्रेता के नाम संघरणीय शुभिधर के रूप में दर्ज है और विक्रेता के नाम का अमल इरामब राजस्थ अभियानी में हो गया है। विक्रेता अपना सम्पूर्ण हिस्सा छेत्र से इस विक्रेता वित्ती द्वारा विक्रय कर रहा है जिन्हें उपरोक्त सच्चाई भूमि के नातिक, जामिल य लाभिय है एवं जलामल सन्दर्भ में उक्ता शुभि शुभि भूमि है और उक्ता भूमि सरकार शुभि का हिस्सा नहीं है। यह कि विक्रेता यह धोषित करता है कि

Free Fair Growth Foundation 2011-2012

शुभि विक्रेता

उपरोक्त वर्णित ग्रुपि मनी प्रकार के भागों तो नुस्खा एवं गान्धी चिकित्सा के लिये विकल्प ने उत्तर विकास के ग्रुप कहा जाता है। विकेता ने इस ग्रुप पर अधिक अधिक ध्यान देना चाहा था। योगेरु के लिये विकेता ने अपने वारिसान व विद्यिक उत्तराधिकारी बोगे। उपरोक्त ग्रुपि मा उत्तर लोहे भव्य किंवा न्यायालय या सारकारी कामगारी के अन्तर्गत विकास का अस्तु विषय नहीं है, न ही यह इत्यादि है। विकेता के अन्तर्गत उत्तर ग्रुप में विकेता को अन्य लोकित का सात्य, इस या वहां इत्यादि नहीं है, इस विकेता को उत्तर विकेता अनारण करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्त सम्बिले के फलस्वरूप कुल वित्त गुम्बा रु. 2,75,652/- के प्रतिकूल में विकेता उपरोक्त केस वारा विकेता की इस विलेक्षण के अन्त में वी वह अनुसूची गे वर्गित विषय के अनुसार छुआतान कर दिया गया है एवं विसकी प्राप्ति श्री विकेता यही स्वीकार करते हैं, तथा अनुसार उत्तर विकेता उपरोक्त केस के माध्य उपरोक्त वर्गित ग्रुपि, विसका विवरण इस विकेता विलेक्षण के अन्त में अनुसूची के अन्तर्गत दिया गया है, को कलई देख दिया है, एवं विकेता ने विकासशुद्धा ग्रुपि का योके पर कल्पा छेता को बखूबी करा दिया नहीं है। तब उत्तर आराजी पर विकेता तथा उसके वारिसान का लोहे अधिकार नहीं है। विकेता ने विकासशुद्धा सम्बिले को अपने स्वानित के सम्बन्ध अधिकारी



हे सभा पुर्णतया द अमेशा हे तिए केता की अस्तान्तरित व्यव दिया है। अब केता विक्रमशुद्ध सामिल द्वारा उसके प्रत्येक जन द्वारा अपनी एकान्त राजामित्र द आवेदन हो रहे हैं तथा उसके साथ मे पासा एवं उपचान द उपलेख करें। विकेता ये उसके वारिसान चलने द्वारा इसकी अपेक्षा द्वारा अपने बाप्पा नहीं छाल लड़ने एवं नहीं कोई गाँग कर रहे हैं और यदि विक्रमशुद्ध सम्बोधि अथवा कोई भगव विकेता के स्वामीलाल हे तो उन्हे काल्प या शान्ति अद्वेष या चान्दूनी उत्तीर्ण के कारण देता या उसके वारिसान नियामवागम इत्यादि के अंतर्गत या अधिकार या छला हो निकल जाये तो केता उसके वारिसान, नियामवागम इत्यादि को एक एक होगा कि वह अज्ञा समझ नुकसान पर्य होनी व ज्ञानी, विकेता की छल, अचल सम्पत्ति से जरीरे अवातर अनुत्त कर ले। उस स्थिति गे विकेता एवं उसके वारिसान हर्जी व ज्ञानी देने हेतु यात्रा होगा।

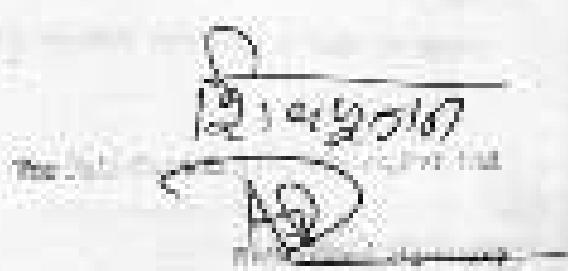
यह कि विकेता यह गी बोयिता करता है कि उस भूमि लाघनक विद्यास प्राचिकरण, लाघनक तथा उत्तम आवात एवं विद्यात परिवह, लाघनक तथा अन्य किसी गी समझारी अथवा गैर समझारी संस्क्रित भाषा अधिकारीत नहीं की गयी है और न ही प्रस्तावित है।

यह कि छोल विक्रमशुद्ध सम्पत्ति की दमिल अदित्य राजस्व अभितेज्वी में ज्ञाने नाम दर्श बता हो तो विकेता को कोई वापत्ति न होगी और यह कि इस विद्यव विदेश के पूर्व का अगर जोई अक्षया



किसी तरह का भार इस सम्बंध पर होना तो २५वें शिविर मुग्धान  
पर बहुत चाही, किंतु कोई आवश्यक न होगी।

यह कि उपरोक्त अभ्यर्थी नामक जाग व्हेल्मान जननार्थकी भेद  
के निपिल श्रम के अन्तर्गत जाता है इसलिए विक्रेता लकड़िया रेट  
₹० १२,५००/- भेद देखें अब है बूक शूगी का विक्रय कर्मचारों के  
५५% में ही रह तो इसलिए २५ विक्रेता शूगी करते हुए ₹०  
२१,८२,५००/- के हिसाब से विक्रेता शूगी ०.१२५ डैक्टर की  
मालिका ₹० २,७१,२५०/- होती है तथा विक्रय शूगी की  
वागाल पूर्णता अधिक है इसलिए नियमानुसार विक्रय भूत्य पर ही  
₹० २७,६००/- जनरल स्टाप अद्य विक्रय का रह दें। यह कि  
उपरोक्त विक्रेता शूगी शूगी के उपयोग के लिए कृपया जो जा रही है।  
शूगी में कोई यैद्य अभ्यर्थी आदि नहीं है तथा किसी प्रकार की  
आवासीय गठिकारियां नहीं बहुत नहीं हैं व और न तकूप, कुआं भी नहीं  
है, तथा २०० ग्र० के वाष्णवाम में कोई मिलाव नहीं है विक्रेता शूगी  
किसी लिंग नारे, राजनारे व जनपदीय मार्ग पर विक्रित नहीं है। विक्रेता  
शूगी मुख्यान्पुर गेड से ग अनर शेफिल एस से लगभग २०० मीटर से  
अधिक दूरी पर स्थित है। विक्रेता अनुसूचित जाति अथवा जानुसूचित  
जनगति का सदस्य नहीं है। इस विक्रय विलेज के नियन्त्रण का सम्बल  
अद्य खेता छारा वहन किया रखा है।



प्राप्ति ०२

१७९६२५८१ १७९६२५८१

१७९६२५८१ १७९६२५८१ १७९६२५८१

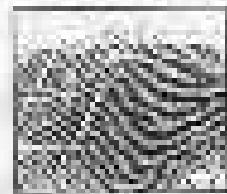
संग्रहीत विषयक संग्रहीत विषयक

दीन काल  
विषयक  
कु एवं एवं विषयक

अस्त्रिका

विषयक विषयक  
विषयक विषयक

१७९६२५८१ विषयक विषयक १७९६२५८१ १७९६२५८१  
विषयक विषयक



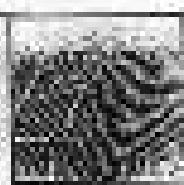
आम्ही शिंग  
संग्रहीत विषयक (डिलीव)  
लालनक  
२२/१२/२००६

संग्रहीत विषयक विषयक विषयक विषयक विषयक विषयक

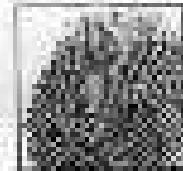
२२/१२/२००६

विषयक

दीन काल विषयक  
कु एवं एवं विषयक  
विषयक विषयक  
विषयक विषयक



विषयक विषयक विषयक विषयक विषयक विषयक विषयक  
विषयक विषयक विषयक  
विषयक विषयक विषयक विषयक  
विषयक विषयक विषयक  
विषयक विषयक विषयक



१७९६२५८१ विषयक विषयक

विषयक विषयक विषयक विषयक  
कु एवं एवं विषयक विषयक

विषयक विषयक

विषयक विषयक विषयक विषयक

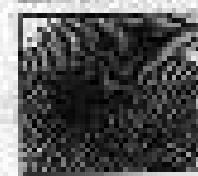
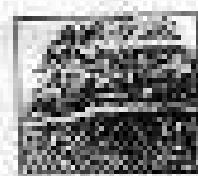
कु एवं एवं विषयक

विषयक विषयक

विषयक विषयक विषयक विषयक

विषयक

विषयक विषयक विषयक विषयक



आम्ही शिंग  
संग्रहीत विषयक (डिलीव)  
लालनक  
२३/१२/२००६

तिलका वह शिक्ष्य पर विदेशी ने कंटा के गवर्नर में लिखा था।  
ताकि सब और आवश्यकता पूछने पर कर आये।

### परिक्षेप: अमलान विवरण

विदेशी अवधुयन को रु. 2,75,652/- का एक लघुया- १८३०५२-  
दिनांक 22.12.2006 प्रतीक विवरण विवरण तथा क  
देशी हे प्रष्ठा हुए।

इस फैलार विदेशी ने कुल विवरण मूल्य 2,75,652/- (लगा  
दे लात्त अवधुयन द्वारा उ. ती बासन वाध) केरल रो ग्राम हुए  
विसकी प्रणिविदेशी स्वीकार करते हैं।

लक्षणः

दिनांक : 22.12.2006

प्राप्ति :

1. ~~क्रेडिट बैंक~~  
- ~~क्रेडिट बैंक~~ ~~क्रेडिट बैंक~~  
~~क्रेडिट बैंक~~

विदेशी

अवधुयन

2. ~~ब्रेस्ट क्रेडिट~~

~~ज्ञान बाल क्रेडिट~~  
~~ज्ञान बाल क्रेडिट~~

प्राप्ति

राष्ट्रीयकर्ता

~~राष्ट्रीयकर्ता~~

(संजय कुमार भिल)

सिविल कोर्ट, लखनऊ

संसदीयकारी

~~संसदीयकारी~~

(विकट रमेश सिंह)

एडवोकेट

**Book**

Registration No. 11925

Year. 2009

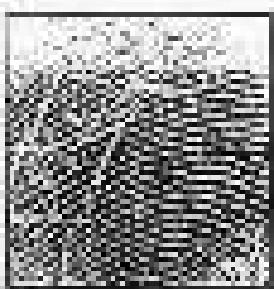
Book No. 1

digit. Library

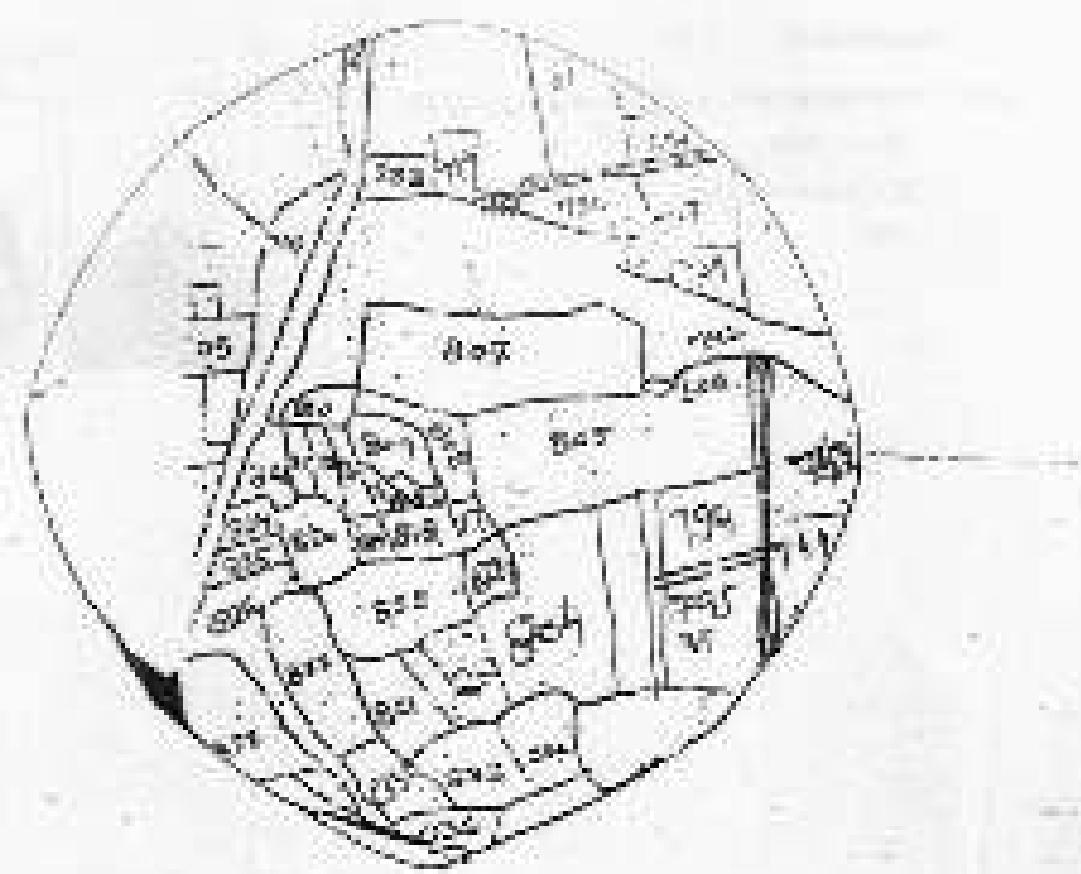
Digitized by

Digitization Center

of IITB



ପ୍ରାଚୀନ ପ୍ରକାଶକ ମେଲିଙ୍ଗାର୍ଦ୍ଦିତ ପାଠ୍ୟବିଷୟ  
ପାଠ୍ୟବିଷୟ ପାଠ୍ୟବିଷୟ



ପାଠ୍ୟବିଷୟ  
ପାଠ୍ୟବିଷୟ

ପାଠ୍ୟବିଷୟ ପାଠ୍ୟବିଷୟ

ପାଠ୍ୟବିଷୟ ପାଠ୍ୟବିଷୟ

Reg. No. 11622

1871-2006

2006

DODI नामक स्थान की दृष्टि विषयक दो  
विकल्प निम्न  
प्रत्यक्षात् वा लेखन  
प्राप्ति



दिल्ली शासन अधिकारी 1908 की शासन - 32 पुरों के डाकूपालक हैं तू  
फिरसी ग्रिवेंटर्स

परम्परागतीय नाम व गाता -

किंग राम द्वारा दिया गया एवं उनकी छापें

पारों द्वारा दिया गया वार्षिक दिनः -



परम्परागतीय नाम व गाता -



किंग राम

परम्परागतीय नाम व गाता -

किंग राम द्वारा दिया गया एवं उनकी छापें

पारों द्वारा दिया गया वार्षिक दिनः -



पारों द्वारा दिया गया वार्षिक दिनः -



For Date Given by King Ram

King Ram

मात्र दिनांक 23/12/2006 को

संख्या १ निम्न संख्या 6274

पृष्ठा ३२१ से ३४८ तक संख्या 11922

प्रिलिस्ट दिया गया।

देवी रिहा

१५ निष्ठान (जिल्हा)

लखनऊ

२००६/१२/२००६